

ال عمران

لَنْ تَنَالُوا الْبِرَّ حَتَّى تُنْفِقُوا مِمَّا تُحِبُّونَ ۗ وَمَا تُنْفِقُوا مِنْ

हरगिण न पाओगे नेकीको यहां तक कि भर्च करो उससे जिसकी पसन्द करते हो.. और जो भर्च करो तुम

شَيْءٍ فَإِنَّ اللَّهَ بِهِ عَلِيمٌ ۙ ۹۱ ۝ كُلُّ الطَّعَامِ كَانَ حَلَالًا لِّبَنِي

कुछ, तो भे-शक अल्लाह उसका जाननेवाला है (८२) सब भानेकी चीजें हलाल थीं बनी

إِسْرَائِيلَ إِلَّا مَا حَرَّمَ إِسْرَائِيلُ عَلَى نَفْسِهِ مِنْ قَبْلِ أَنْ

ईस्राईलके लिये, मगर वोह जिसको हराम कर लिया था भुद या'कूबने अपने ठीपर, कबल ईसके कि

تُنزَلَ التَّوْرَةُ ۗ قُلْ فَأَتُوا بِالتَّوْرَةِ فَاتْلُوهَا إِن كُنْتُمْ

उतारी जाओ तौरत. केह दो कि लाओ तौरत, फिर उसको पढ़ो, अगर

صَادِقِينَ ۙ ۹२ ۝ فَمَنْ افْتَرَى عَلَى اللَّهِ الْكُذِبَ مِنْ بَعْدِ ذَلِكَ

सच्चे हो (८३) तो जिसने झूठ ईकितरा किया अल्लाह पर ईसके बाद,

فَأُولَئِكَ هُمُ الظَّالِمُونَ ۙ ۹३ ۝ قُلْ صَدَقَ اللَّهُ ۗ فَاتَّبِعُوا مِلَّةَ

तो वोही जालिम लोग हैं (८४)... केह दो कि सच इरमाया अल्लाहने... तो पैरवी करो हीने

إِبْرَاهِيمَ حَنِيفًا ۗ وَمَا كَانَ مِنَ الْمُشْرِكِينَ ۙ ۹४ ۝ إِنَّ أَوَّلَ بَيْتٍ

ईब्राहीमकी, उक परस्त भातिल शिकनकी, और वोह मुश्रिक न थे (८५) भे-शक सभसे पहला घर जो बनाया गया

وُضِعَ لِلنَّاسِ لَلَّذِي بِبَكَّةَ مُبْرَكًا وَهُدًى ۗ لِلْعَالَمِينَ ۙ ۹५ ۝ فِيهِ

लोगोंको ईबादत करनेके लिये, अजर वोह है जो मकामें है, भरकतोंसे भरा और हुन्या भरके लिये मकअे छिदायत (८६) उसमें

أَيُّكُمُ بَيْتُكَ مَقَامُ إِبْرَاهِيمَ ۗ وَمَنْ دَخَلَهُ كَانَ آمِنًا ۗ وَاللَّهُ

रोशन निशानियां हैं मकामे ईब्राहीम... और जो उसमें दाखिल हुवा अमानमें हो गया. और अल्लाहकी परस्तिशके लिये

عَلَى النَّاسِ حِجُّ الْبَيْتِ مَنِ اسْتَطَاعَ إِلَيْهِ سَبِيلًا ۗ وَمَنْ

लोगों पर ईस भेतुल्लाहका उज करना है, जो सकत रभे ईस तक राह पानेकी. और जिस

كَفَرَ فَإِنَّ اللَّهَ غَفِيٌّ عَنِ الْعَالَمِينَ ۙ ۹६ ۝ قُلْ يَا أَهْلَ الْكِتَابِ لِمَ

ने ईन्कार किया, तो अल्लाह भे-परवाह है हुन्या भरसे (८७) केह दो कि ओ अहले किताब क्यूं

تَكْفُرُونَ بِآيَاتِ اللَّهِ ۗ وَاللَّهُ شَهِيدٌ عَلَىٰ مَا تَعْمَلُونَ ۙ ۹७ ۝ قُلْ

ईन्कार करते हो अल्लाहकी आयतोंका, हावांकि अल्लाह शाहिद जो तुम कर रहे हो (८८) कछो कि

ال عمران

يَنْهَوْنَ عَنِ الْمُنْكَرِ وَأُولَئِكَ هُمُ الْمُفْلِحُونَ ﴿۱۰۷﴾ وَلَا تَكُونُوا

रोकें बुराईसे. और वोही कामियाब लोग हैं (१०४) और मत हो

كَالَّذِينَ تَفَرَّقُوا وَاخْتَلَفُوا مِنْ بَعْدِ مَا جَاءَهُمُ الْبَيِّنَاتُ ط

उनकी तरह जो अलग अलग हो गये और जगड पडे, भा'द ईसके कि आ चुकी थी उनके पास पुवी निशानियां.

وَأُولَئِكَ لَهُمْ عَذَابٌ عَظِيمٌ ﴿۱०८﴾ يَوْمَ تَبْيَضُّ وُجُوهٌ وَكُودُ

और वोही हैं जिनके लिये बडा अजाब है (१०५) जिस दिन कि गोरे हाँगे कुछ येदरे, और काले हाँगे

وُجُوهٌ ءَآ فَمَا لِلَّذِينَ اسْوَدَّتْ وُجُوهُهُمْ ءَآ أَكْفَرْتُمْ بَعْدَ

कुछ मुंड. तो जिनके मुंड काले हैं... क्या तुमने कुछ किया था

إِيمَانِكُمْ فذُوقُوا الْعَذَابَ بِمَا كُنْتُمْ تَكْفُرُونَ ﴿۱०९﴾ وَأَمَّا الَّذِينَ

ईमान लानेके भा'द ? तो यभो अजाब, बदला ईसका जो कुछ करते थे (१०६) और वोड जिनके

أَبْيَضَّتْ وُجُوهُهُمْ ففِي رَحْمَةِ اللَّهِ هُمْ فِيهَا خَالِدُونَ ﴿۱१०﴾

येदरे गोरे हाँ गये, वोड अल्लाहकी रहमतमें हैं. वोड उसमें हमेशा रहनेवाले हैं (१०७)

تِلْكَ آيَاتُ اللَّهِ نَتْلُوهَا عَلَيْكَ بِالْحَقِّ وَمَا اللَّهُ يُرِيدُ ظُلْمًا

यह अल्लाहकी आयतें हैं, कि हम जिसको पढते हैं तुम पर बिल्कुल ठीक. और अल्लाह नहीं याहता जुल्म

لِلْعَالَمِينَ ﴿۱११﴾ وَ لِلَّهِ مَا فِي السَّمَوَاتِ وَمَا فِي الْأَرْضِ وَإِلَى اللَّهِ

अहले दुन्या पर (१०८) और अल्लाह ही का है जो कुछ आस्मानों और जो कुछ जमीनमें है. और अल्लाह ही की तरफ

تُرْجَعُ الْأُمُورُ ﴿۱१२﴾ كُنْتُمْ خَيْرَ أُمَّةٍ أُخْرِجَتْ لِلنَّاسِ تَأْمُرُونَ

रुजूअ कराये जाते हैं सारे काम (१०८) तुम उन सारी उम्मतोंमें बेहतर हो जो लोगोंके लिये जाहिर हुई, कि भलाईका

بِالْمَعْرُوفِ وَتَنْهَوْنَ عَنِ الْمُنْكَرِ وَتُؤْمِنُونَ بِاللَّهِ وَلَوْ آمَنَ

तो तुम हुकम हो और बुराईसे रोको, और अल्लाह पर यकीन रभो. और अगर ईमान ले आते

أَهْلَ الْكِتَابِ لَكَانَ خَيْرًا لَهُمْ مِنْهُمْ الْمُؤْمِنُونَ وَأَكْثَرُهُمْ

अहले किताब, तो ज़रूर उनके लिये बेहतर था. उनमें कुछ ईमान लानेवाले हूँ और उनके ज़्यादा लोग

الْفَاسِقُونَ ﴿۱१३﴾ لَنْ يَضُرُّكُمْ إِلَّا آذَى ط وَإِنْ يُقَاتِلُوكُمْ يُؤَلُّوْكُمْ

सभ ना-इरमान हैं (११०) यह लोग तुम लोगोंका कोई नुकसान न कर सकेंगे, मगर बस सताना, और अगर लड़ें तुमसे तो डेर देंगे तुमसे

الَادْبَارَ تَنْتَهَىٰ ثُمَّ لَا يُنصَرُونَ ﴿۱۱۱﴾ ضَرَبْتَ عَلَيْهِمُ الدَّلِيلَةَ أَيَّنَ مَا

पीछे... फिर कोई मदद न दिये जायेगा (१११) सवार कर दी गई उन पर ज़िल्लत गुलामी, जहां भी

تُقْفُوا إِلَّا بِحَبْلٍ مِّنَ اللَّهِ وَحَبْلٍ مِّنَ النَّاسِ وَبَاءٌ وَبِئْسَ

रहें, मगर यह कि थाम लें रस्सी अल्लाहकी, और लोगोंकी रस्सी, और लोट गये वोह अल्लाहके गज़बमें,

مِّنَ اللَّهِ وَضَرَبْتَ عَلَيْهِمُ السَّكَنَةَ ۗ ذٰلِكَ بِأَنَّهُمْ كَانُوا

और छाप दी गई उन पर बे-मस्कनी. यह इस लिये कि वोह ठन्कार करते थे

يَكْفُرُونَ بِآيَاتِ اللَّهِ وَيَقْتُلُونَ الْأَنْبِيَاءَ بِغَيْرِ حَقِّ ۗ ذٰلِكَ بِمَا

अल्लाहकी आयतोंका, और शहीद करते थे पैगम्बरोंको ना उक. यह सज़ा है उसकी जो नाज़रमानी की और

عَصَوْا وَكَانُوا يَعْتَدُونَ ﴿۱۱۲﴾ لَيْسُوا سَوَاءً ۗ مِّنْ أَهْلِ الْكِتَابِ أُمَّةٌ

सरकशी करते थे (११२) सब बराबर नहीं हैं, कि अहले किताब ही में अक वोह कमरबस्ता जमाअत है,

قَائِمَةٌ يَتَّخِذُونَ آيَاتِ اللَّهِ آثَاءَ الْبَيْلِ وَهُمْ لَا يُؤْمِنُونَ ﴿۱۱۳﴾

जो निवाअत करें अल्लाहकी आयतोंकी रातकी धड़ियोंमें, और वोह सज़दा करें (११३) मानें

بِاللَّهِ وَالْيَوْمِ الْآخِرِ وَيَأْمُرُونَ بِالْمَعْرُوفِ وَيَنْهَوْنَ عَنِ

अल्लाहको और पिछले दिनको, और हुकम दें नेकीका और रोकें

الْمُنْكَرِ وَيُسَارِعُونَ فِي الْخَيْرَاتِ وَأُولَٰئِكَ مِنَ الصَّالِحِينَ ﴿۱۱४﴾

बुराईसे, और तेज़ी करें नेक कामोंमें. और वोही लोग नेक़कार हैं (११४)

وَمَا يَفْعَلُوا مِنْ خَيْرٍ فَلَنْ يُكْفَرُوا ۗ وَاللَّهُ عَلِيمٌ بِالْمُتَّقِينَ ﴿۱۱۵﴾

यह लोग जो भलाई करें, तो हरगिज़ उससे मइज़म न किये जायेंगे, और अल्लाह परहेज़गारोंको जाननेवाला है (११५)

إِنَّ الَّذِينَ كَفَرُوا لَنْ تُغْنِيَ عَنْهُمْ أَمْوَالُهُمْ وَلَا أَوْلَادُهُمْ

बे-शक जिन्हींने कुक़ किया, तो न बे-परवाह करेगा उनको उनका माल, और न उनकी औलाद,

مِّنَ اللَّهِ شَيْئًا ۗ وَأُولَٰئِكَ أَصْحَابُ النَّارِ هُمْ فِيهَا خَالِدُونَ ﴿۱۱६﴾

अल्लाहसे कुछ भी. और वोही जहन्नमवाले हैं. वोह इसमें हमेशा रहनेवाले हैं (११६)

مَثَلُ مَا يُنْفِقُونَ فِي هَذِهِ الْحَيٰوةِ الدُّنْيَا كَمَثَلِ رِيحٍ فِيهَا

मिथाल उसकी जो भयंकर करे दु-यावी जिन्दगीके बारेमें, जैसे उवा, जिसमें

صِرَاصَاتٍ حَرَتْ قَوْمٍ ظَلَمُوا أَنفُسَهُمْ فَأَهْلَكْتَهُمْ وَمَا ظَلَمَهُمُ

पावा है, वोड़ पछोँथी अक क्रोमकी भेती पर जिन्होंने भुद अपने बिगाड रभा था, तो उसकी भेतीको तबाड कर दिया उस छवाने, और उन पर अल्लाह

اللَّهُ وَلَكِنَّ أَنفُسَهُمْ يَظْلِمُونَ ﴿۱۱۷﴾ يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا لَا

ने जुल्म नहीं करमाया लेकिन वोड़ भुद अपने ठीपर जालिम हैं (११७) औ ईमानवालो ! न

تَتَّخِذُوا بَطَانَةً مِّن دُونِكُمْ لَا يَأْلُونَكُمْ خَبَالًا وَدُّوْا مَا

बनाओ राजदार अपने किसी गैरको, वोड़ न छोड रभेंगे कुछ बढभवाहीमें. उनकी तो आरजू

عَنكُمْ قَدْ بَدَتِ الْبَغْضَاءُ مِنْ أَقْوَاهُمْ وَمَا تُحْفِي

है, जितनी दुश्वारी तुम्हें छो. उनके मुँहसे उनका भुगल जाडिर छो युका. और वोड़ जो उनके सीने

صُدُّوهُمْ أَكْبَرُ قَدْ بَيَّنَّا لَكُمُ الْآيَاتِ إِن كُنْتُمْ تَعْقِلُونَ ﴿۱۱८﴾

छुपाये हैं बडोत बडा है, डमने सारी निशानियां तुम्हारे लिये बयान कर दीं, अगर तुम अक्लसे काम लो (११८)

هَآئِنْتُمْ أَوْلَىٰ تُحِبُّونَهُمْ وَلَا يُحِبُّونَكُمْ وَتُؤْمِنُونَ بِالْكِتَابِ كُلِّهِ

सुनो कि अक तो तुम छो, तो तुम उनको दोस्त रभते छो, और वोड़ तुमको दोस्त नहीं रभते, और तुम कुल किताबको मानते छो,

وَإِذِ الْقَوْمُ قَالَُوا آمَنَّا ۖ وَإِذَا خَلَوْا عَصَوْا عَٰلِمِكُمْ إِلَّا تَأْمِلُ مِنْ

और वोड़ जब तुमसे मिले, तो केड दिया कि डम भी मान युके. और जब अलग छुअे, तो यभा डावा तुम पर ँगलियोंकी

الْغَيْظِ قُلْ مَوْتُوا بِغَيْظِكُمْ إِنَّ اللَّهَ عَلِيمٌ بِذَاتِ الصُّدُورِ ﴿۱१९﴾

गुस्सेसे. केड दो कि मर जाओ अपनी जलनमें. बे-शक अल्लाह जानता है सीनोंवाली बातोंकी (११९)

إِن تَسْسِسْكُمْ حَسَنَةً تَّسْوَهُمْ وَإِن تَصِبْكُمْ سَيِّئَةً يَّفْرَحُوا

अगर तुमको फाँछा छो, तो भुरा लगे उनको, और अगर तुमको कोँ नुक्सान पछोँये, तो उससे वोड़ भुश छों.

بِهَا وَإِن تَصْبِرُوا وَتَتَّقُوا لَا يَضُرُّكُمْ كَيْدُهُمْ شَيْئًا ۗ إِنَّ اللَّهَ

और अगर तुम सध्र करो और परछेजगारीसे काम लेते रछो, तो न बिगाड सकेगा तुम्हारा, उनका मक कुध. बे-शक अल्लाह

بِمَا يَعْمَلُونَ فَحِيطٌ ﴿۱२०﴾ وَإِذْ غَدَوْتَ مِنْ أَهْلِ مَدْيَنَ إِلَى الْمُؤْمِنِينَ

उनके करतूतोंकी घेरनेवाला है (१२०) और याद करो जब तुम सुब्दको निकले अपने घरसे, कि बिछा दो मुसल्मानोंकी

مَقَاعِدَ لِلْقِتَالِ ۗ وَاللَّهُ سَمِيعٌ عَلِيمٌ ﴿۱२१﴾ إِذْ هَمَّتْ طَّائِفَتٌ مِّنْكُمْ

जंगके मोर्यों पर, और अल्लाह सुननेवाला जाननेवाला है (१२१) जबकि करद कर लिया था तुम्हारे दो गिरोछोंने,

أَنْ تَفْشَلُوا وَاللَّهُ وَلِيٌّ لِّمُهْمَاطٍ وَعَلَى اللَّهِ فَلْيَتَوَكَّلِ الْمُؤْمِنُونَ ﴿۱۲۲﴾

कि बुजटिली कर जाअे जबकि अल्लाह उन दोनोंका मददगार है, और अल्लाह ही पर ईमानवाले (मरोसा २में (१२२)

وَلَقَدْ نَصَرَكُمُ اللَّهُ بِبَدْرٍ وَأَنْتُمْ أَذِلَّةٌ فَاتَّقُوا اللَّهَ لَعَلَّكُمْ

और बे-शक मदद दी तुमको अल्लाहने बदरमें, जबकि तुम बे-सरो सामान हो. तो डरो अल्लाहको, कि अब

تَشْكُرُونَ ﴿۱۲۳﴾ اذ تقول للمؤمنين ألن يكفيكم أن يمددكم

शुक्र गुजार हो जाओ (१२३) जब तुम कह रहे थे मुसलमानोंको, कि क्या तुम्हें काफी नहीं कि मदद इरमाअे तुम्हारी

رَبِّكُمْ بِثَلَاثَةِ أَلْفٍ مِنَ الْمَلَائِكَةِ مُنْزَلِينَ ﴿۱۲۴﴾ بَلَىٰ إِنْ تَصْبِرُوا وَ

तुम्हारा परवरदिगार, तीन हजार इरिशनोंसे, जो उतारे गअे हों (१२४) हां हां अगर सअर करो और

تَتَّقُوا وَيَأْتُوكُم مِّن فَوْرِهِمْ هَذَا يُمْدِدْكُمْ رَبُّكُمْ بِخَمْسَةِ أَلْفٍ

परडेजगारी करो, और सभ दुश्मन आ पडें तुम पर उसी दम, तो मदद करेगा तुम्हारी तुम्हारा २५ पांच हजार

مِّن الْمَلَائِكَةِ مُسَوِّمِينَ ﴿۱۲۵﴾ وَمَا جَعَلَهُ اللَّهُ إِلَّا بُشْرَىٰ لَكُمْ

निशानीवाले इरिशनोंसे (१२५) और नहीं किया इसको अल्लाहने, मगर भुश करनेको तुम्हें,

وَلِتَطْمَئِنَّ قُلُوبُكُم بِهِ ۗ وَمَا النَّصْرُ إِلَّا مِنْ عِنْدِ اللَّهِ الْعَزِيزِ

और ताकि तुम्हारे दिल मुत्मठन हो जाअें. और नहीं है मदद मगर अल्लाहके पाससे गलबेवाला

الْحَكِيمِ ﴿۱۲۶﴾ لِيَقْطَعَ طَرَفًا مِّنَ الَّذِينَ كَفَرُوا أَوْ يَكْبِتَهُمْ فَيَنْقَلِبُوا

डिकमतवाला (१२६) ताकि काट दे अेक कनारा उनका, जिन्होंने कुफ़ किया, या उनको जलीलो प्वार कर दे, तो वोड लौटे

خَاطِبِينَ ﴿۱۲۷﴾ لَيْسَ لَكَ مِنَ الْأَمْرِ شَيْءٌ أَوْ يَتُوبَ عَلَيْهِمْ أَوْ

ना-मुराद हो कर (१२७) नहीं है तुम्हारी जिम्मेदारी इस बारेमें कुछ, कि या अल्लाह तौबा करा ले उनसे, या

يُعَذِّبَهُمْ فَإِنَّهُمْ ظَالِمُونَ ﴿۱۲۸﴾ وَبِاللَّهِ مَا فِي السَّمَوَاتِ وَمَا فِي

अज्जब दे उनको, क्यूंकि वोड सभ जालिम हें (१२८) और अल्लाह ही का है जो कुछ आस्मानों और जो कुछ

الْأَرْضِ يُعْفِرُ لِمَن يَشَاءُ وَيُعَذِّبُ مَن يَشَاءُ ۗ وَاللَّهُ غَفُورٌ

जमीनमें है. बपूशे जिसे याडे, और अज्जब दे जिसको याडे. और अल्लाह बपूशनेवाला

رَحِيمٌ ﴿۱۲۹﴾ يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا لَا تَأْكُلُوا الرِّبَا أَضْعَافًا مُّضَاعَفَةً

रडमतवाला है (१२९) अै ईमानवालो ! मत पाओ सूद हुनाहन.

وَاتَّقُوا اللَّهَ لَعَلَّكُمْ تُفْلِحُونَ ﴿۱۳۰﴾ وَاتَّقُوا النَّارَ الَّتِي أُعِدَّتْ لِلْكَافِرِينَ ﴿۱۳۱﴾

اور اٹھو اللہ کی ڈر کر تاکہ تم کامیاب ہو سکو (۱۳۰) اور اٹھو آگ سے جو تمہارے لیے تیار کی گئی ہے کافر کے لیے (۱۳۱)

وَأَطِيعُوا اللَّهَ وَالرَّسُولَ لَعَلَّكُمْ تُرْحَمُونَ ﴿۱۳۲﴾ وَسَارِعُوا إِلَىٰ مَغْفِرَةٍ

اور اطاعت کرو اللہ اور رسول کو تاکہ تم رحم سے محروم نہ ہو (۱۳۲) اور تیزی سے جاؤ معافی کی طرف

مِّن رَّبِّكُمْ وَجَنَّةٍ عَرْضُهَا السَّمَاوَاتُ وَالْأَرْضُ أُعِدَّتْ لِلْمُتَّقِينَ ﴿۱۳۳﴾

اپنے رب سے اور جنت کی طرف، جس کی چوڑائی ہے سارے آسمان اور زمین، تیار رہی گئی ہے پرهیزگاروں کے لیے (۱۳۳)

الَّذِينَ يُنْفِقُونَ فِي السَّرَّاءِ وَالصَّرَّاءِ وَالْكُظَّيْنِ الْعَظِيمِ

جو ہر حال میں خرچہ کرتے ہیں خوش حالی میں اور تنگدستی میں، اور بڑی بڑی دولتوں میں،

وَالْعَافِينَ عَنِ النَّاسِ ۗ وَاللَّهُ يُحِبُّ الْمُحْسِنِينَ ﴿۱۳۴﴾ وَالَّذِينَ

اور بخوشی سے معاف کرنے والے لوگوں کو، اور اللہ دوست رکھتا ہے ان کے لیے اور اللہ پسند کرتے ہیں (۱۳۴) اور جو لوگ

إِذَا فَعَلُوا فَاحِشَةً أَوْ ظَلَمُوا أَنفُسَهُمْ ذَكَرُوا اللَّهَ فَاسْتَغْفَرُوا

کے گناہوں سے یاد کرتے ہیں یا اللہ سے معافی مانگتے ہیں تو یاد کرتے ہیں اللہ کو، اور اللہ سے معافی مانگتے ہیں

لِذُنُوبِهِمْ ۗ وَمَنْ يُغْفِرِ الذُّنُوبَ إِلَّا اللَّهُ ۗ وَلَمْ يُصِرُّوْا عَلَىٰ مَا

اپنے گناہوں کو، اور کبھی نہ جھوٹا گناہ، سچا گناہ... اور کبھی نہ جھوٹا گناہ، سچا گناہ... اور کبھی نہ جھوٹا گناہ، سچا گناہ...

فَعَلُوا وَهُمْ يَعْلَمُونَ ﴿۱۳۵﴾ أُولَٰئِكَ جَزَاءُ وَّهُمْ مَغْفِرَةٌ مِّن رَّبِّهِمْ

کے گناہوں سے یاد کرتے ہیں یا اللہ سے معافی مانگتے ہیں تو یاد کرتے ہیں اللہ کو، اور اللہ سے معافی مانگتے ہیں

وَجَدْتُمْ تَجْرِي مِّن تَحْتِهَا الْأَنْهَارُ خَالِدِينَ فِيهَا ۗ وَنِعْمَ أَجْرُ

اور جنت میں ہے، جہنم میں ہے جن کے نیچے نہریں بہ رہی ہیں، ان کے لیے ہے اور کتنا ہی اچھا اجر ہے

الْعَابِلِينَ ۗ قَدْ خَلَتْ مِن قَبْلِكُمْ سُنَنٌ فَسِيرُوا فِي الْأَرْضِ

کامیابوں کے لیے (۱۳۵) جو پہلے سے گزر چکی ہیں اس لیے زمین میں جا کر دیکھو

فَانظُرُوا كَيْفَ كَانَ عَاقِبَةُ الْمُكذِبِينَ ﴿۱۳۶﴾ هَذَا بَيَانٌ لِلنَّاسِ ۗ

اور دیکھو کہ کس طرح ہوا ان لوگوں کے لیے جو جھوٹ بولتے تھے (۱۳۶) یہ اللہ کے لیے ہے تاکہ لوگوں کو بتا سکے

هُدًى وَمَوْعِظَةٌ لِّلْمُتَّقِينَ ﴿۱۳۷﴾ وَلَا تَهِنُوا وَلَا تَحْزَنُوا ۗ وَأَنْتُمْ

راہنما اور نصیحتیں پڑھنے والے پرهیزگاروں کے لیے (۱۳۷) اور نہ ہمت نہ ہاری ہو، اور نہ غمگین ہو، اور تم

الْأَعْلُونَ إِنْ كُنْتُمْ مُؤْمِنِينَ ﴿۱۳۹﴾ إِنْ يَسْسَكُمْ قَرْحٌ فَقَدْ مَسَّ

भुलन्द और गालिब हो, अगर हो तुम ईमानवाले (१३८) अगर लगे तुमको जम्भ, तो बे-शक लग चुका है

الْقَوْمَ قَرْحٌ مِّثْلَهُ ۖ وَتِلْكَ الْأَيَّامُ نُدَّوْلُهَا بَيْنَ النَّاسِ وَلِيَعْلَمَ

कोमे दुश्मनको भी इसी तरहका जम्भ. और यह अथ्याम हम भारी भारी करते हैं उनको लोगोंमें, और ताकि मा'लूम करा दे

اللَّهُ الَّذِينَ آمَنُوا وَيَخْذَ مِنْكُمْ شُهَدَاءَ ۗ وَاللَّهُ لَا يُحِبُّ

अल्लाह उनको, जो ईमान लाये. और बनाये तुम मेंसे कुछ शहादतवाले. और अल्लाह नहीं पसन्द करता

الظَّالِمِينَ ۗ وَيُحْصِ اللَّهُ الَّذِينَ آمَنُوا وَيَحَقِّقُ الْكُفْرِينَ ﴿۱४०﴾

आल्लिमाको (१४०) और ताकि पाकिस करा दे अल्लाह उनको, जो ईमान लाये, और मिटा डाले काफ़िरोको (१४१)

أَمْ حَسِبْتُمْ أَنْ تُدْخَلُوا الْجَنَّةَ وَلَمَّا يَعْلَمِ اللَّهُ الَّذِينَ جَاهَدُوا

क्या तुमने भयाल कर रखा है कि जन्नतमें जाओगे, और अभी मा'लूम करायेगा अल्लाह उन्हें, जिन्होंने तुम मेंसे ज़िहाद

مِنْكُمْ وَيَعْلَمَ الصَّابِرِينَ ﴿۱४१﴾ وَلَقَدْ كُنْتُمْ تَسْتَوُونَ الْمَوْتَ مِنْ

किया है, और अभी मा'लूम करायेगा सब करनेवालोंको (१४२) और तुम भी आरजू रभते थे मरनेकी,

قَبْلِ أَنْ تَلْقَوْهُ فَقَدْ رَأَيْتُمُوهُ وَأَنْتُمْ تَنْظُرُونَ ﴿۱४२﴾ وَمَا فَحَدِّ

कबल इसके कि मौतसे मिलो, तो अब तो तुमने उसको देख लिया अपनी नज़रसे (१४३) और नहीं हैं मुहम्मद

الرَّسُولَ ۚ قَدْ خَلَتْ مِنْ قَبْلِهِ الرُّسُلُ أَفَإِنْ نَأْتِ أَوْ قُتِلَ

मगर अक रसूल. बे-शक गुज़रे उनसे पहले सारे रसूल. तो क्या अगर वोह इन्तिकाल करें या शहीद कर दिये

أَنْقَلَبْتُمْ عَلَى أَعْقَابِكُمْ وَمَنْ يَنْقَلِبْ عَلَى عَقْبَيْهِ فَلَنْ

जाये, तो तुम पलट जाओगे उल्टे पांव ? और जो उल्टे पांव पलटे, तो कुछ न

يَضُرَّ اللَّهُ شَيْئًا ۖ وَسَيَجْزِي اللَّهُ الشَّاكِرِينَ ﴿۱४३﴾ وَمَا كَانَ لِنَفْسٍ

बिगाड सकेगा अल्लाहका. और अल्लाह जल्द जजा देगा शुक्र गुज़ारोंको (१४४) और किसी जानकी हक नहीं

أَنْ تَسُوْتَ إِلَّا بِإِذْنِ اللَّهِ كِتَابًا مُؤَجَّلًا ۖ وَمَنْ يُرِدْ ثَوَابَ الدُّنْيَا

कि मर जाये बगैर हुकम अल्लाहके, लिखा हुवा है वक्त मुकरर कर्दा. और जो चाहे दुन्याका इल

نُؤْتِيهِ مِنْهَا ۖ وَمَنْ يُرِدْ ثَوَابَ الْآخِرَةِ نُؤْتِيهِ مِنْهَا وَسَنْجِزِي

तो हम उसको उससे दें. और जो चाहे आभिरतका धवाध, तो हम उसको उससे दें. और जल्द हम जजा देंगे

الشَّكِرِينَ ﴿۱۴۶﴾ وَكَأَيِّنْ مِّنْ نَّبِيٍّ قَاتَلَ مَعَهُ رِبِّيُّونَ كَثِيرٌ فَمَا

शुक्रवालोंको (१४५) और कितने पैगम्बरोंने ज़िहाद किया, जिनके साथ ब क़धरत अल्लाहवाले थे, तो वोह

وَهُنَّوَالِمَا أَصَابَهُمْ فِي سَبِيلِ اللَّهِ وَمَا ضَعُفُوا وَمَا اسْتَكَانُوا

सुस्त न हूअे ँस मुसीबतसे, जो उनको पलोंची अल्लाहकी राहमें, और न कमज़ोर पडे, और न हबे.

وَاللَّهُ يُحِبُّ الصَّابِرِينَ ﴿۱۴۷﴾ وَمَا كَانَ قَوْلُهُمْ إِلَّا أَنْ قَالُوا رَبَّنَا

और अल्लाह दोस्त रभता है सभ्र करनेवालोंको (१४६) और न था उनका कुछ केहना, सिवा ँसके कि हुआ की, “परवरदिगारा

اعْفِرْ لَنَا ذُنُوبَنَا وَإِسْرَافَنَا فِي أَمْرِنَا وَثَبِّتْ أَقْدَامَنَا وَانصُرْنَا

हमको बापश दे, हमारे गुनाहोंको और हमारी ज़ियादतीको अपने काममें, और हमको पाबित कदम रभ और हमारी मदद करमा

عَلَى الْقَوْمِ الْكَافِرِينَ ﴿۱۴۸﴾ فَآتَاهُمُ اللَّهُ ثَوَابَ الدُّنْيَا وَحَسُنَ ثَوَابُ

काकिर कौम पर” (१४७) तो दिया उनको अल्लाहने हुन्याकी लवाँ, और षवाबे आभिरत

الْآخِرَةِ وَاللَّهُ يُحِبُّ الْمُحْسِنِينَ ﴿۱۴۹﴾ يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا إِن

की भुभी. और अल्लाह दोस्त रभता है अहसान करनेवालोंको (१४८) अय ँमानवालो ! अगर

تُطِيعُوا الَّذِينَ كَفَرُوا يَرُدُّوكُمْ عَلَىٰ أَعْقَابِكُمْ فَتَنْقَلِبُوا خِسِرِينَ ﴿۱۵۰﴾

कडे पर यलोगे उनके जो काकिर हैं, तो लौटा देंगे तुमको उल्टे कदम, तो तुम ही उल्टे घाटा उकाओगे (१४९)

بَلِ اللَّهِ مَوْلَاكُمْ وَهُوَ خَيْرُ النَّاصِرِينَ ﴿۱۵۱﴾ سَنُلْقِي فِي قُلُوبِ

बलिके अल्लाह तुम्हारा मौला है, आर वोह सभसे बेहततर मददगार है (१५०) जल्ल डाल देंगे हम दिलोंमें

الَّذِينَ كَفَرُوا وَالرُّعْبَ بِمَا أَشْرَكُوا بِاللَّهِ مَا لَمْ يُنَزَّلْ بِهِ سُلْطَانٌ

उनको जो काकिर हैं रो'ब को क्यूंकि उन्होंने शरीक बनाया अल्लाहका उसको, जिसकी अल्लाहने कोँ सनद नहीं उतारी.

وَمَا لَهُمْ النَّارُ وَيَسْ مَثْوَى الظَّالِمِينَ ﴿۱۵۲﴾ وَلَقَدْ صَدَقَكُمُ

और उनका ठिकाना जल्लनभडे. और कितना भुरा है ठिकाना ज़ालिमोंका (१५१) और बे-शक ज़र सय कर दिभाया तुमको

اللَّهُ وَعَدَاةٌ إِذْ تُحْسِنُونَهُمْ بِأَذْنِهِ حَتَّىٰ إِذَا فِشَلْتُمْ وَتَنَازَعْتُمْ

अल्लाहने अपने वा'देको, जबकि तुम कत्व कर रहे थे उनको, उसके हुकमसे, यहाँ तक कि जब तुम भुज़िदल हो गये

فِي الْأَمْرِ وَعَصَيْتُمْ مِّنْ بَعْدِ مَا أَرَاكُمْ مَا تُحِبُّونَ مِنْكُمْ

और ता'भीले हुकममें जगडने लगे, और ना-इरमानी की, बा'द ँसके कि दिभा दिया तुमको जो तुम याहते हो. तुममें कोँ

مَنْ يُرِيدُ الدُّنْيَا وَمَنْكُم مَّنْ يُرِيدُ الْآخِرَةَ ۖ ثُمَّ صَرَفَكُمْ

याहे दुन्याको और कोठ याहे आभिरतको. फिर तो ફेर दिया तुमको

عَنْهُمْ لِيَبْتَلِيَكُمْ ۖ وَلَقَدْ عَفَا عَنْكُمْ وَاللَّهُ ذُو فَضْلٍ عَلَى

उनकी जानिभसे, ताकि आजमाये तुमको, और बे-शक उसने तुमको मुआफी दे दी, और अल्लाह इज़लवाला है

الْمُؤْمِنِينَ ۝ إِذْ تَصْعَدُونَ وَلَا تَكُونُ عَلَى أَحَدٍ وَالرَّسُولُ

ईमानवालों पर (१५२) जब तुम चढे चले जाते थे और मुडते न थे किसी पर, और रसूल

يَدْعُوكُمْ فِي أَخْرَاكُمْ فَأَتَابَكُمْ عَمَّا بَغِمَ لَكُمْ لِيَتَذَكَّرَ أَعْلَىٰ مَا

तुमको बुला रहे थे तुम्हारी पिछली जमाअतमें, तो गमके बदले तुमको गम दिया, ताकि र-ज करे उस पर

فَاتَّكُمْ وَلَا مَا أَصَابَكُمْ وَاللَّهُ خَبِيرٌ بِمَا تَعْمَلُونَ ۝ ثُمَّ أَنْزَلَ عَلَيْكُمْ

जो जाता रहा तुमसे, और न उस पर जो आ पडे तुम पर, और अल्लाह बा-भबर है जो तुम करो (१५३) फिर उतारा तुम पर

مِنْ بَعْدِ الْغَمِّ أَمْنَةً نُعَاسًا يَغْشَىٰ طَائِفَةً مِّنْكُمْ وَطَائِفَةٌ قَدْ

गमके बाद पुर सुकून नींद जो तुम मेंसे अक जमाअत पर छा रही थी, और अक जमठयत

أَهْمَتْهُمْ أَنفُسُهُمْ يَظُنُّونَ بِاللَّهِ غَيْرَ الْحَقِّ ظَنَّ الْجَاهِلِيَّةِ ۖ

उनको गममें डाल दिया था उनकी जानोंने, गुमान रभते थे अल्लाहसे नाउक, जाहिलियतका गुमान.

يَقُولُونَ هَلْ لَّنَا مِنَ الْأَمْرِ مِنْ شَيْءٍ ۗ قُلْ إِنَّ الْأَمْرَ كُلَّهُ

कहे, कि "क्या हमें भी कुछ इफ्तियार है." केह दो, कि "इफ्तियार तो भिदकुल

لِلَّهِ يُخْفُونَ فِي أَنفُسِهِمْ مَا لَا يُبْدُونَ لَكَ يَقُولُونَ لَوْ كَانَ

अल्लाहका है." छुपाते हैं अपने अन्दर वोड, जो जाहिर नहीं करते. तुमसे केहते हैं कि अगर

لَّنَا مِنَ الْأَمْرِ شَيْءٌ ۖ مَا قَاتَلْنَا هَهُنَا ۖ قُلْ لَوْ كُنْتُمْ فِي بُيُوتِكُمْ

हमें कुछ इफ्तियार होता, तो हम यहां मारे न जाते. केह दो अगर तुम अपने घरोंमें छोटे

لِبَرَزِ الَّذِينَ كُتِبَ عَلَيْهِمُ الْقَتْلُ إِلَىٰ مَضَاجِعِهِمْ وَلِيَبْتَلِيَ

उर्र निकल आते वोड, लिभ दिया गया है जिन पर कत्व हो जाना अपनी अपनी कत्व गाहमें, और ताकि आजमाये

اللَّهُ مَا فِي صُدُورِكُمْ وَلِيُخَصَّ مَا فِي قُلُوبِكُمْ وَاللَّهُ عَلِيمٌ

अल्लाह जो तुम्हारे सीनोंमें है, और ताकि छांट कर रभ दे जो तुम्हारे दिवोंमें है. और अल्लाह

يَذَاتِ الصُّدُورِ ۱۵۴) إِنَّ الَّذِينَ تَوَلَّوْا مِنْكُمْ يَوْمَ الْتَقَى الْجَمْعَانِ

سینوں کی بات کو جاننا ہے (۱۵۴) بے شک جو لوگ کفر گئے تو میں سے، جس دن میں ملی دونوں فوجوں،

إِنَّمَا اسْتَزَلَّهُمُ الشَّيْطَانُ بِبَعْضِ مَا كَسَبُوا وَلَقَدْ عَفَا اللَّهُ

انہیں شیطان نے ڈگمگایا دیا، اس لیے کہ انہوں نے کچھ ایسی چیزیں کیں تھیں۔ اور بے شک جبریل نے انہیں معاف کر دیا

عَنْهُمْ إِنَّ اللَّهَ غَفُورٌ حَلِيمٌ ۱۵۵) يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا لَا

انہوں سے۔ بے شک اللہ بخشنے والا بخشنے والا ہے (۱۵۵) اے مسلمانو! مگر

تَكُونُوا كَالَّذِينَ كَفَرُوا وَقَالُوا لِإِخْوَانِهِمْ إِذَا ضَرَبُوا فِي

ہو انہوں کی طرح جو کفر کیا، اور اپنے بھائیوں کے لیے کہہ دیا، جب کہ وہ لڑ رہے

الْأَرْضِ أَوْ كَانُوا عِزِّي لَوْ كَانُوا عِنْدَنَا مَا مَاتُوا وَمَا قُتِلُوا ۱۵۶)

زمین میں یا مجھ سے لڑ رہے، اگر لوگ میرے پاس تو نہ مرنے، اور نہ کتلے گئے ہوتے۔

لِيَجْعَلَ اللَّهُ ذَلِكَ حَسْرَةً فِي قُلُوبِهِمْ وَاللَّهُ يُجِي وَيُبَيِّتُ

تاکہ کر دے اللہ ان کے دل میں۔ اور اللہ جیتاتا ہے اور مارتا ہے۔

وَاللَّهُ بِمَا تَعْمَلُونَ بَصِيرٌ ۱۵۷) وَلَئِنْ قُتِلْتُمْ فِي سَبِيلِ اللَّهِ

اور اللہ جو کرے دیکھ رہا ہے (۱۵۷) اور بے شک اگر تم شہید کر دیے گئے اللہ کی راہ میں

أَوْ مِتُّمْ لَسَغْفَرُهُ مِنَ اللَّهِ وَرَحْمَةً خَيْرٌ مِمَّا يَجْمَعُونَ ۱۵۸)

یا مرے، تو اللہ کی بخشش اور رحمت جبریل سے زیادہ بہتر ہے ان سے جو وہ اکٹھے کرتے۔ (۱۵۸)

وَلَئِنْ مِتُّمْ أَوْ قُتِلْتُمْ لَا إِلَى اللَّهِ تُحْشَرُونَ ۱۵۹) فَبِمَا رَحْمَةٍ

اور بے شک تم اگر مرے یا شہید کیے گئے، تو جبریل نے اللہ کی طرف سے انہیں (۱۵۹) تو اللہ کی رحمت ہی کی

مِنَ اللَّهِ لِنْتَ لَهُمْ ۚ وَكَوْنْتَ قَطًّا عَظِيمًا الْقَلْبَ لَا تَفْضُوا

سبب ہے کہ تم نرم دلوں کے لیے ان کے لیے۔ اور اگر لوگ تمہیں بڑی سختی سے لڑ رہے، تو جبریل وہ سب

مِنْ حَوْلِكَ فَاعْفُ عَنْهُمْ وَاسْتَغْفِرْ لَهُمْ وَشَاوِرْهُمْ فِي

ان کے گرد سے ہے اور ان کے لیے بخشش کرو اور ان کے لیے بخشش مانگو، اور ان سے

الْأَمْرِ فَإِذَا عَزَمْتَ فَتَوَكَّلْ عَلَى اللَّهِ إِنَّ اللَّهَ يُحِبُّ

مشورہ لیا کرو، کفر جب تمہیں مجبور کر دے، تو اللہ پر بھروسہ رکھو۔ بے شک اللہ دوست رکھتا ہے

الْمُتَوَكِّلِينَ ﴿۵۹﴾ اِنْ يَنْصُرْكُمْ اللهُ فَلَا غَالِبَ لَكُمْ وَاِنْ

तवक्कलवालोंको (१५८) अगर मदद करमाओ तुम लोगोंकी अल्लाह, तो कोई तुम्हारे ओपर गालिब नहीं, और अगर

يَخْذُ لَكُمْ فَمَنْ ذَا الَّذِي يَنْصُرُكُمْ مِنْ بَعْدِهِ وَعَلَى اللهِ

छोड दे तुम लोगोंको, तो कौन वोह है जो तुम्हारी मदद करे उसके बाद. और अल्लाह ही पर

فَلْيَتَوَكَّلِ الْمُؤْمِنُونَ ﴿۶۰﴾ وَمَا كَانَ لِنَبِيِّ أَنْ يَعْلُفَ وَمَنْ يَعْلُفُ

भरोसा रखे ईमानवाले (१६०) मुस्किन नहीं नबीके लिये कि कुछ दबा बैठे. और जो शम्स कुछ दबा ले,

يَأْتِ بِسَاعِلٍ يَوْمَ الْقِيَامَةِ ثُمَّ تُوَفَّى كُلُّ نَفْسٍ مَّا كَسَبَتْ وَ

वोह लाओगा जो कुछ दबा लिया है क्यामतके दिन. फिर भरपूर दिया जाओगा हर एक जो कमा रभा है, और

هُمْ لَا يُظْلَمُونَ ﴿۶۱﴾ أَفَمَنْ اتَّبَعَ رِضْوَانَ اللهِ كَسَىٰ بَاءً بِسَخِطٍ

वोह जुल्मन किये जाओगे (१६१) तो क्या जिसने पैरवीकी अल्लाहकी मरजीकी, वोह उसकी तरफ है जो लौट, आया

مِّنَ اللهِ وَمَا أُوذِيَ جَهَنَّمَ وِبِئْسَ الْمَصِيرُ ﴿۶۲﴾ هُوَ دَرَجَةٌ عِنْدَ

अल्लाहके गरजभ में, और उसका ठिकाना जहन्नम है? और क्या भुरी फिरनेकी जगह है (१६२) वोह अल्लाहके यहां दरजा

الله وَاللهُ بَصِيرٌ كَيْسًا يَعْمَلُونَ ﴿۶۳﴾ لَقَدْ مَنَّ اللهُ عَلَى الْمُؤْمِنِينَ

दरजा हैं, और अल्लाह उनके कियेको देखनेवाला है (१६३) अलबत्ता भे-शक अहसान करमाया अल्लाहने ईमानवालों पर,

إِذْ بَعَثَ فِيهِمْ رَسُولًا مِّنْ أَنفُسِهِمْ يَتْلُوا عَلَيْهِمْ آيَاتِهِ وَ

जो भेजा उनमें रसूल, उन्हींसे, तिलावत करे उन पर अल्लाहकी आयतें, और

يُزَكِّيهِمْ وَيُعَلِّمُهُمُ الْكِتَابَ وَالْحِكْمَةَ وَإِنْ كَانُوا مِن

पाक करे उनको, और सिखाओ उनको किताब व हिकमत? वरना जरूर वोह लोग पहलेसे

قَبْلُ لَفِي ضَلَالٍ مُّبِينٍ ﴿۶۴﴾ أَوَلَمَّْا أَصَابَتْكُمْ مُصِيبَةٌ قَدْ

भुली गुमराहीमें थे (१६४) क्या जब पहोंथी तुमको ऐसी मुसीबत कि तुम भुए मुसीबत

أَصَبْتُمْ مِثْلَهَا قُلْتُمْ أَنَّىٰ هَذَا قُلْ هُوَ مِنْ عِنْدِ أَنفُسِكُمْ

दे चुके थे उससे दूनी, तो तुम डेडने लगे कि यह कहांसे, जवाब दो कि वोह भुए तुम्हारी तरफसे है.

إِنَّ اللهَ عَلَىٰ كُلِّ شَيْءٍ قَدِيرٌ ﴿۶۵﴾ وَمَا أَصَابَكُمْ يَوْمَ الْتَقَىٰ

भे-शक अल्लाह हर याह पर कुदरतवाला है (१६५) और जो कुछ मुसीबत आई तुम पर, जिस दिन मिली

الْجَمْعِ فَيَاذَنَ اللَّهُ وَلِيَعْلَمَ الْمُؤْمِنِينَ ﴿۱۴۷﴾ وَلِيَعْلَمَ الَّذِينَ

दोनों कीजें, तो यह अल्लाहके हुक्मसे, और ताकि मा'लूम करा दे ईमानवालोंको (१४६) और ताकि मा'लूम करा दे उनको जो

نَافِقُوهُمْ وَقِيلَ لَهُمْ تَعَالَوْا قَاتِلُوا فِي سَبِيلِ اللَّهِ أَوْ ادْفَعُوا

मुनाफिक हुअे, और उनको हुक्म दिया गया कि आओ अल्लाहकी राहमें ज़िहाद करो, या दुश्मनोंको हटाओ,

قَالُوا لَوْ نَعْلَمُ قِتَالًا لَا اتَّبَعْنَاكُمْ هُمْ لِلْكَفْرِ يَوْمِيذٍ أَقْرَبُ

बोले, अगर हम जान लेते लडाईं होनेकी, तो ज़रूर तुम्हारी पेरवी कर चुके होते. वोह लोग अेवानिया कुइसे आज ज़यादा

مِنْهُمْ لِلْإِيْمَانِ يَقُولُونَ يَا قَوْمِ هَرَبْ مَّا لَيْسَ فِي قُلُوبِهِمْ

नजदीक हैं, अ-निरभत ईमानके. केहते हैं अपने मुंहसे जो नहीं है उनके दिलमें.

وَاللَّهُ أَعْلَمُ بِمَا يَكْتُمُونَ ﴿۱۴۸﴾ الَّذِينَ قَالُوا إِخْوَانِهِمْ وَقَعَدُوا

और अल्लाह भुभ जानता है जो वोह छुपाते हैं (१४७) जिन्होंने कहा अपने रिश्तेके भाईयोंके लिये और भुद

لَوَاطِعُونَ مَا قَاتِلُوا قُلُوبًا قَادِرَةٌ وَعَنْ أُنْفُسِكُمْ الْمَوْتِ إِنْ

बैठ रहे, कि अगर हमारे कहे पर चले होते, तो कत्व न किये जाते. जवाब दो, कि "तुमही हटा लो अपने से मौतकी अगर

كُنْتُمْ صَادِقِينَ ﴿۱۴۹﴾ وَلَا تَحْسَبَنَّ الَّذِينَ قَاتَلُوا فِي سَبِيلِ اللَّهِ

सख्ये लो" (१४८) और भयाल भी न करना जो शहीद किये गअे अल्लाहकी राहमें

أَمْوَالًا بَلْ أَحْيَاءٌ عِنْدَ رَبِّهِمْ يُرْسَلُونَ ﴿۱۵०﴾ فَرِحِينَ بِمَا أَنْتُمْ

उनको मुर्दा, बलकि जिन्दा हैं, अपने रबके पास रोजी दिये जाते हैं (१४८) भुश भुश उससे जो दिया है उन

اللَّهُ مِنْ فَضْلِهِ ۗ وَيَسْتَبْشِرُونَ بِالَّذِينَ لَمْ يَلْحَقُوا بِهِمْ

को अल्लाहने अपने इज़लसे. और शाद लो रहे उनसे, जो अभी नहीं मिले उनसे

مَنْ خَلْفَهُمْ ۗ الْآخِوفُ عَلَيْهِمْ وَلَا هُمْ يَحْزَنُونَ ﴿۱۵१﴾ يَسْتَبْشِرُونَ

भा'दवाले. कि न उन पर कोई भौइ है और न वोह र-ख्दा लो.. (१७०).. शाद शाद लो रहे हैं

بِنِعْمَةِ مِنَ اللَّهِ وَفَضِيلٍ ۗ وَأَنَّ اللَّهَ لَا يُضِيعُ أَجْرَ الْمُؤْمِنِينَ ﴿۱۵२﴾

अल्लाहकी ने'मत व इज़लसे. और यह कि अ-शक अल्लाह नहीं बेकार करता ईमानवालोंके अज्ज को (१७१)

الَّذِينَ اسْتَجَابُوا لِلَّهِ وَالرَّسُولِ مِنْ بَعْدِ مَا أَصَابَهُمُ الْقَرْحُ

जो बुलाने पर लजिर लो गअे अल्लाह व रसूलके, भा'द ईसके कि पलोंच युका था उनको जम्भ,

لِّلَّذِينَ أَحْسَنُوا مِنْهُمْ وَاتَّقُوا أَجْرٌ عَظِيمٌ ﴿۱۴۲﴾ الَّذِينَ قَالَ

उनके लिये जिन्होंने अच्छे काम किये उनमेंसे और परहेजगार हुआ, बड़ा पचाप है (१७२) वोड जिन्से लोगो

لَهُمُ النَّاسُ إِنَّ النَّاسَ قَدْ جَمَعُوا لَكُمْ فَاخْشَوْهُمْ فَزَادَهُمْ

ने कडा, कि बे-शक लोगोंने अक जमईयत बना ली है तुम्हारे लिये, तो उनको डरो, तो उस भबरने बडा

إِيمَانًا ۖ وَقَالُوا حَسْبُنَا اللَّهُ وَنِعْمَ الْوَكِيلُ ﴿۱۴۳﴾ فَانْقَلَبُوا

दिया उनको ईमानमें, और बोले कि काई है डमारे लिये अल्लाड, और केसा अच्छा कारसाज है (१७३) तो वोड लौटे

بِنِعْمَةٍ مِنَ اللَّهِ وَفَضْلٍ لَّمْ يَسْسِرْهُمْ سُوءًا ۖ وَاتَّبَعُوا

अल्लाडकी ने'मत व इज्जके साथ. न छुवा उनको किसी बुराईने. और वोड यले

رِضْوَانَ اللَّهِ وَاللَّهُ ذُو فَضْلٍ عَظِيمٍ ﴿۱۴४﴾ إِنَّمَا ذَلِكُمُ

अल्लाडकी मरजी पर. और अल्लाड बडे इज्जलवाला है (१७४) बस यड

الشَّيْطَانُ يُخَوِّفُ أَوْلِيَاءَهُ ۖ فَلَا تَخَافُوهُمْ وَخَافُونَ إِنْ

शीतान ही है डरवाता है अपने दोस्तोंसे. तो तुम उनको न डरो. तुम तो मुजसे डरो, अगर

كُنْتُمْ مُؤْمِنِينَ ﴿۱ॴ۵﴾ وَلَا يَحْزَنكَ الَّذِينَ يُسَارِعُونَ فِي الْكُفْرِ

ईमानवाले हो (१७५) और न रञ्छदा करें तुमको जो दोड कर रहे हैं कुङमें.

إِنَّهُمْ لَنْ يَصُرُوا اللَّهَ شَيْئًا يُرِيدُ اللَّهُ أَلَّا يَجْعَلَ لَهُمْ حَطًّا

बिलाशुभड वोड कुछ न बिगाड सकेंगे अल्लाडका. अल्लाड याडता है कि न रभे उनके लिये कोई छिस्सा

فِي الْآخِرَةِ ۗ وَلَهُمْ عَذَابٌ عَظِيمٌ ﴿۱ॴ६﴾ إِنَّ الَّذِينَ اسْتَرَوْا الْكُفْرَ

आबिरतमें. और उनके लिये बडा अजाप है (१७६) बे-शक जिन्होंने भरीदा कुङको

بِالْإِيمَانِ لَنْ يَصُرُوا اللَّهَ شَيْئًا ۗ وَلَهُمْ عَذَابٌ أَلِيمٌ ﴿۱ॴ७﴾ وَلَا

ईमानके बढले, डरगिज न बिगाड सकेंगे अल्लाडका कुछ, और उनके लिये दुष देनेवाला अजाप है (१७७) और न

يَحْسَبَنَّ الَّذِينَ كَفَرُوا أَنَّ نَسْلَهُمْ خَيْرٌ لَّا نَفْسِهِمْ إِنَّمَا

गुमान करें काकिर लोग, कि जो डम ढील देते हैं उनको, यड बेडतर है उनके लिये. डम

نَسْلَهُمْ لِيُرَدَّ دُوَّالْإِيمَانِ ۗ وَلَهُمْ عَذَابٌ مُّهِينٌ ﴿۱ॴ८﴾ مَا كَانَ

ढील देते हैं उनको सिर्फ ईस लिये, कि भुप भडें गुनाडमें, और उनके लिये रुस्वाकुन अजाप है (१७८) नहीं है

اللَّهُ لِيَذَرَ الْمُؤْمِنِينَ عَلَىٰ مَا أَنْتُمْ عَلَيْهِ حَتَّىٰ يَمِيزَ الْخَبِيثَ

अल्लाह, कि छोड दे तुम मुदरथयाने र्स्वामको जिस पर हो, यहाँ तक कि अलग कर दे मभीषको

مِنَ الطَّيِّبِ ۗ وَمَا كَانَ اللَّهُ لِيُطْلِعَكُمْ عَلَى الْغَيْبِ وَلَكِنَّ

अच्छेसे. और नहीं है अल्लाह, कि आगाही मभूशे तुम सबको गैम पर, लेकिन

اللَّهُ يَجْتَبِيٰ مِنْ رُّسُلِهِ مَن يَشَاءُ ۚ فَاٰمِنُوْا بِاللّٰهِ وَرُسُلِهِ

अल्लाह युन लेता है अपने रसूलोंसे जिसे याह, तो मान जाओ अल्लाह और उसके रसूलोंको.

وَإِنْ تَوَمَّنُوْا وَتَثَقَّوْا فَلَكُمْ اَجْرٌ عَظِيْمٌ ۗ وَلَا يَحْسَبَنَّ الَّذِيْنَ

और अगर मान जाओ और परदेजगारी करो तो तुम्हारे लिये बडा अज्र है (१७८) और न मयाल करे जो

يَبَخُلُوْنَ بِمَا اٰتٰهُمُ اللّٰهُ مِنْ فَضْلِهِ ۗ هُوَ خَيْرًا لَّهُمْ ۗ بَلْ هُوَ

क-जूसी करते हैं र्थसमें, जो दे दिया है उनको अल्लाहने अपने इज्जसे, कि वोह बेहतर है उनके लिये. बल्कि वोह

شَرٌّ لَّهُمْ ۗ سَيُطَوَّقُوْنَ مَا بَخَلُوْا بِهِ يَوْمَ الْقِيٰمَةِ ۗ وَاللّٰهُ وِثْرٰتٌ

भुरा है उनके लिये, जल्द तौक पडनामे जाअंगे उसका, जिसमें क-जूसी की है, कयामतके दिन. और अल्लाह ही

السَّمٰوٰتِ وَالْاَرْضِ ۗ وَاللّٰهُ بِمَا تَعْمَلُوْنَ خَبِيْرٌ ۗ لَقَدْ سَمِعَ

के लिये वारिषी आस्मानों और जमीनकी. और अल्लाह तुम्हारे सब कियेसे भा मभर है (१८०) बे-शक ज़र सुना

اللّٰهُ قَوْلَ الَّذِيْنَ قَالُوْا اِنَّ اللّٰهَ فَقِيْرٌ وَنَحْنُ اَغْنِيَاۗءُ

अल्लाहने उनकी बोली, जो बोले कि "अल्लाह मोहताज है और हम तवंगर हैं"...

سَكَتُبْ مَا قَالُوْا وَقَتْلَهُمُ الْاَكْبِيَاۗءَ بِغَيْرِ حَقٍّ ۗ وَنَقُوْلُ

अम हम उनके कहे को लिम रभेंगे, और उनका कत्ल करना पैगम्बरोंको नाहक, और कहेंगे कि

ذُوْثُوْا عَدٰبَ الْحَرِيْقِ ۗ ۙ ذٰلِكَ بِمَا قَدَّمْتْ اَيْدِيْكُمْ وَ

याभो आगका अजाभ (१८१) यह मडला उसका, जो पडले कर रभा है तुम्हारे हाथोंने, और

اِنَّ اللّٰهَ لَيْسَ بِظَلٰمٍ لِّلْعَبِيْدِ ۗ الَّذِيْنَ قَالُوْا اِنَّ اللّٰهَ

बे-शक अल्लाह नहीं है ज़ुल्म इरमानेवाला मन्टोंके लिये (१८२) जिन्होंने कहा, कि बे-शक अल्लाहने

عَهْدَ الْيَتٰمٰٓا اِلَّا نُوْمِنَ لِرَسُوْلٍ حَتّٰى يٰٓاْتِيَنَا بِقُرٰٓاٰنٍ تٰكْلَمُهٗ

हमसे अइह लिया है, कि न माने किसी रसूलको, यहाँ तक कि वोह ले आये ऐसी कुरबानी, जिसको भा जाये

ۗ

ۗ

النَّارُ قُلْ قَدْ جَاءَكُمْ رَسُولٌ مِّن قَبْلِي بِالْبَيِّنَاتِ وَبِالذِّمَىٰ

आग. तुम जवाब दो कि लाओ तुम्हारे पास बोधतेरे रसूल मुझसे पहले रौशन निशानियोंको, और वोड

قُلْتُمْ فَلِمَ قَتَلْتُمُوهُمْ إِن كُنْتُمْ صَادِقِينَ ﴿۱۸۳﴾ فَإِن كَذَّبُوكَ

जिसको तुमने कडा, तो क्यूं शहीद कर डावा तुमने उनको, अगर तुम सच्ये थे (१८३) फिर अगर उन्होंने तकजीब कर दी तुम्हारी

فَقَدْ كَذَّبَ رَسُولٌ مِّن قَبْلِكَ جَاءُ وَبِالْبَيِّنَاتِ وَالزُّبُرِ وَ

तो बे-शक तकजीब किये गये बोधतेरे रसूल तुमसे पहले, जो लाओ थे रौशन निशानियां और सहीके और

الْكِتَابِ الْمُنِيرِ ﴿۱۸४﴾ كُلُّ نَفْسٍ ذَائِقَةُ الْمَوْتِ وَإِنَّمَا تُوَفَّوْنَ

रौशन किताब (१८४) हर ओक यमनेवाला है मौतका. और पूरा पूरा दिये जाओगे

أُجُورَكُمْ يَوْمَ الْقِيَامَةِ ۖ فَمَن زُحِرَ عَنِ النَّارِ وَأُدْخِلَ الْجَنَّةَ

अपना सारा अज्र क्यामत ही के दिन. तो जो भया दिया गया जहन्नमसे और दाबिल किया गया जन्नतमें,

فَقَدْ قَازَ وَمَا الْحَيَاةُ الدُّنْيَا إِلَّا مَتَاعُ الْعُرُورِ ۗ لَكُتُبُونَ

तो बे-शक कामियाब हुवा. और नहीं है दुन्यावी जिन्दगी, मगर धोकेकी पूंछ (१८५) जरूर आजमाओ जाओगे.

فِي أَمْوَالِكُمْ وَأَنفُسِكُمْ ۖ وَلَتَسْمَعُنَّ مِنَ الَّذِينَ أُوتُوا الْكِتَابَ

अपने अपने माल और जानमें... और जरूर सुनोगे उनसे, जिनको किताब दी गई

مِن قَبْلِكُمْ وَمِنَ الَّذِينَ أَشْرَكُوا أَذًى كَثِيرًا ۚ وَإِن تَصْبِرُوا

तुमसे पहले, और उनसे, जिन्होंने शिर्क किया है, बखीत कुछ मूजीं बाते. और अगर तुम लोग सभ्र करो

وَتَتَّقُوا فَإِنَّ ذَٰلِكَ مِن عَزْمِ الْأُمُورِ ۗ وَإِذ أَخَذَ اللَّهُ مِيثَاقَ

और मुत्तकी रहो, तो यह बडी छिम्मतका काम है (१८६) और जब कि लिया था अट्लाहने मजबूत वा'दा

الَّذِينَ أُوتُوا الْكِتَابَ لَتُبَيِّنُنَّهُ لِلنَّاسِ وَلَا تَكْفُرُوهٗ ۚ

उनका, जिनको किताब दी गई, कि जरूर बयान कर दोगे तुम लोगोंसे, और न छुपाओगे उसको.

فَبَدَّدُوا ۚ وَرَاءَ ظُهُورِهِمْ وَاشْتَرَوْا بِهِ ثَمَنًا قَلِيلًا ۖ فَبُئْسَ

तो फेंक दिया उन्होंने उसे अपनी पीठ पीछे, और लिया उसके बदलेमें कीमत जलील थीज. तो कितना भुरा है

مَا يَشْتَرُونَ ۗ لَا تَحْسَبَنَّ الَّذِينَ يَفْرَحُونَ بِمَا أَتَوْا مُجِبُونَ

जो वोड लेते हैं (१८७) दरगिज भयाल न करो, कि जो भुश होते हैं अपने कियेसे, और यादते हैं

أَنْ يُحْمَدُوا بِمَا لَمْ يَفْعَلُوا فَلَا تَحْسِبْنَهُمْ بِمَقَارِفٍ مِّنَ الْعَذَابِ

कि ता'रीफ़ किये जायें उससे, जिसको किया ही नहीं, तो उनको यह न भयाव्य करो कि अजाबसे भयाव्य में हों।

وَلَهُمْ عَذَابٌ أَلِيمٌ ﴿۸۸﴾ وَبِاللَّهِ مُلْكُ السَّمَاوَاتِ وَالْأَرْضِ وَاللَّهُ

और उन्हींके लिये दुःख देनेवाला अजाब है (१८८) और अल्लाह ही के लिये है आस्मानों और जमीनकी मिल्कियत. और अल्लाह

عَلَىٰ كُلِّ شَيْءٍ قَدِيرٌ ﴿۸۹﴾ إِنَّ فِي خَلْقِ السَّمَاوَاتِ وَالْأَرْضِ

उपर थीज पर कुदरतवाला है (१८९) बे-शक ! आस्मानों और जमीनके पैदा करनेमें,

وَإِخْتِلَافِ اللَّيْلِ وَالنَّهَارِ لآيَاتٍ لِّأُولِي الْأَلْبَابِ ﴿۹۰﴾ الَّذِينَ

और रात और दिनके अदलने बदलनेमें, ज़रूर निशानियां हैं अकलवालोंके लिये (१९०) जो

يَدْكُرُونَ اللَّهَ قِيَمًا وَقُعودًا وَعَلَىٰ جُنُوبِهِمْ وَيَتَفَكَّرُونَ

याद किया करें अल्लाहको पडे और बैठे और करवटों पर, और गौरो झिंक करें

فِي خَلْقِ السَّمَاوَاتِ وَالْأَرْضِ رَبَّنَا مَا خَلَقْتَ هَذَا بَاطِلًا

आस्मानों और जमीनकी पैदाईशमें. परवरदिगारा नहीं पैदा इरमाया तूने इसको बेकार.

سُبْحٰنَكَ فَقِنَا عَذَابَ النَّارِ ﴿۹۱﴾ رَبَّنَا إِنَّكَ مَن تَدْخُلُ النَّارَ

पाक है तू, तो भया वे हमको जहन्नमसे (१९१) परवरदिगारा बे-शक जिसे डाल दे जहन्नममें.

فَقَدْ أَخْزَيْتَهُ وَمَا لِلظَّالِمِينَ مِنْ أَنْصَارٍ ﴿۹۲﴾ رَبَّنَا إِنَّا سَمِعْنَا

तो तूने रुस्वा कर दिया उसको. और नहीं है जालिमोंके लिये कोई मददगार (१९२) परवरदिगारा बे-शक हमने सुना

مُنَادِيًا يُنَادِي لِلْإِنْسَانِ أَنْ آمِنُوا بِرَبِّكُمْ فَآمَنَّا ۗ رَبَّنَا

अेक मुनादी को, कि अे'लान करते हैं ईमानके लिये, कि लोगो अपने परवरदिगारको मान जाओ, तो हम तो मान गये. परवरदिगारा

فَاعْفُرْ لَنَا ذُنُوبَنَا وَكَفِّرْ عَنَّا سَيِّئَاتِنَا وَتَوَقَّنَا مَعَ الْآبِرَارِ ﴿۹۳﴾

बपश दे हमारे गुनाहोंको और मिटा दे हमारे गुनाहोंको, और वफ़ात दे हमको नेक किरदारोंके साथ (१९३)

رَبَّنَا وَإِنَّا مَا وَعَدْتَنَا عَلَىٰ رُسُلِكَ وَلَا نَحْزَنُكَ يَوْمَ الْقِيٰمَةِ

परवरदिगारा दे हमको, जो तूने हमसे वा'दा इरमाया अपने रसूलों पर, और न रुस्वाई दे हमको कयामतके दिन.

إِنَّكَ لَا تَخْلِفُ الْبِعَادَ ﴿۹۴﴾ فَاسْتَجَابَ لَهُمْ رَبُّهُمْ أَنِّي لَا

बेशक तू नहीं भिवाइ करता वा'देका (१९४) तो कबूल इरमा लिया उनकी दुआको उनके रबने, कि बे-शक में

أُضِيعُ عَمَلِ عَامِلٍ مِّنْكُمْ مِّنْ ذَكَرٍ أَوْ أَنْتَىٰ بَعْضُكُمْ مِّنْ

आअेअ नही करता काम किसी कामीका तुम मेंसे, मई हो या औरत, तुममें सब अेक दूसरे

بَعْضٍ ۚ فَالَّذِينَ هَاجَرُوا وَأُخْرِجُوا مِنْ دِيَارِهِمْ وَأُوذُوا

से हैं. तो जिनोंने छिजरतकी और निकाले गअे अपने घरोंसे, और सताअे गअे

فِي سَبِيلِي وَقَتَلُوا أَوْ قُتِلُوا الْأَكْفَرَانَ عَنْهُمْ سَيِّئَاتِهِمْ

मेरी राहमें, और वोह लड़े और शहीद किये गअे, जइर मिटा दूंगा उनसे उनके गुनाहोंको,

وَلَا دُخْلَهُمْ جَلَّتْ تَجْرِي مِنْ تَحْتِهَا الْأَنْهَارُ تَوَابًا مِّنْ

और जइर दाबिल कइंगा उनको जन्नतोंमें, कि बाहा करें जिनके नीचे नहरें, अल्लाहकी तरफ

عِنْدَ اللَّهِ ۗ وَاللَّهُ عِنْدَهُ حُسْنُ التَّوَابِ ۝۱۹۵ لَا يَغْرِبُكَ

से षवाब. और अल्लाह, उसीके पास षवाबका हुस्न है (१८५) हरगिज न धोका दे

تَقَلُّبُ الَّذِينَ كَفَرُوا فِي الْبِلَادِ ۗ مَتَاعٌ قَلِيلٌ تَتَمَّأُوهُمْ

तुम्हारे लोगोंको अँठते फिरना काहिरोंका शहरोंमें (१८६) थोडा भरतना है... फिर उनका ठिकाना

جَهَنَّمَ ۗ وَبِئْسَ الْبِهَادُ ۝۱۹۶ لَكِنِ الَّذِينَ اتَّقَوْا رَبَّهُمْ لَهُمْ جَلَّتْ

जहन्नम है. और कैसा भुरा बिस्तर है (१८७) लेकिन जो उरा किये अपने रबको, उनके लिये जन्नतें हैं,

تَجْرِي مِنْ تَحْتِهَا الْأَنْهَارُ خَالِدِينَ فِيهَا نُنزِّلُ مِنَ عِنْدِ

भेह रही हैं उनके नीचे नहरें, हमेशा रहनेवाले उसमें, मेहमानी अल्लाहकी तरफ

اللَّهُ ۗ وَمَا عِنْدَ اللَّهِ خَيْرٌ لِلَّابْرَارِ ۝۱۹۷ وَإِنَّ مِنْ أَهْلِ الْكِتَابِ

से. और जो अल्लाहके पास है, ज़यादा बेहतर है नेककारोंके लिये (१८८) और बेशक बा'अ अहले किताब हैं

لَسَنَ يُؤْمِنُ بِاللَّهِ وَمَا أُنزِلَ إِلَيْكُمْ وَمَا أُنزِلَ إِلَيْهِمْ

कि मानें अल्लाहको, और जो उतारा गया तुम पर, और जो उतारा गया उन पर,

خَشِعِينَ لِلَّهِ لَا يَشْتَرُونَ بِآيَاتِ اللَّهِ ثَمَنًا قَلِيلًا أُولَٰئِكَ

दबे लये अल्लाहके सामने, नहीं लेते अल्लाहकी आयातके बदले कीमत कम हकीकत. वोह हैं

لَهُمْ أَجْرُهُمْ عِنْدَ رَبِّهِمْ ۖ إِنَّ اللَّهَ سَرِيعُ الْحِسَابِ ۝۱۹۸ يَا أَيُّهَا

जिनके लिये उनका अज है उनके रबके पास. बे-शक अल्लाह जइद हिसाब इरमानेवाला है (१८८) अ

الَّذِينَ آمَنُوا صَبْرًا وَصَابِرًا وَرَأْبُطًا وَاتَّقُوا اللَّهَ

ईमानवालो ! सभ्र करो और सभ्रमें बढ जाओ. और छिडाउते मुल्के ईस्लामीके लिये कभर बस्ता रहो... और अल्लाहको

لَعَلَّكُمْ تَفْلِحُونَ ﴿۲۰﴾

उरो कि उम्मीदवारे कामियाबी हो जाओ. (२००)

سورة النساء ۴
النساء ۴
۱۶۴

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ

سورة النساء ۴
النساء ۴
۱۶۴

सूरअे निसा महनिथ्या

नामसे अल्लाहके बडा महदरभान बभशनेवाला

आयात १७६ रुकूअ २४

يَا أَيُّهَا النَّاسُ اتَّقُوا رَبَّكُمُ الَّذِي خَلَقَكُمْ مِنْ نَفْسٍ وَاحِدَةٍ

ऐ लोगो उरो अपने परवरदिगारको, जिसने पैदा इरमाया तुमको अेक जानसे,

وَخَلَقَ مِنْهَا زَوْجَهَا وَبَثَّ مِنْهُمَا رِجَالًا كَثِيرًا وَنِسَاءً ۚ وَ

और पैदा इरमाया उस जानसे उसका जोडा, और इेवा लिया उन दोनोंसे बोडतेरे मर्द और औरतें. और

اتَّقُوا اللَّهَ الَّذِي تَسَاءَلُونَ بِهِ وَالْأَرْحَامَ إِنَّ اللَّهَ كَانَ

उरो अल्लाहको जिसके नाम पर मांगते रहते हो, और अपने रिशतोंको. बे-शक अल्लाह

عَلَيْكُمْ رَقِيبًا ۝۱ وَأَتُوا الْيَتَامَىٰ أَمْوَالَهُمْ وَلَا تَتَّبِعُوا الْخَبِيثَاتِ

तुम पर निगरां हें (१) और दे डालो यतीमोंको उनके मालको, और बढलेमें न लो नापाकको

بِالظَّيْبِ وَلَا تَأْكُلُوا أَمْوَالَهُمْ إِلَىٰ أَمْوَالِكُمْ إِنَّهُ كَانَ حُوبًا

पाकके, और मत भा जाया करो उनके मालको अपने मालके साथ, बे-शक यह गुनाहे

كَبِيرًا ۝۲ وَإِنْ خِفْتُمْ أَلَّا تُقْسِطُوا فِي الْيَتَامَىٰ فَانكِسُوا فَاطَابَ

कभीरा हें (२) और अगर तुम उरे कि ईन्साइ न कर सकोगे यतीमोंमें, तो निकाडमें ले आओ जो तुम्हारी पसन्दीदा हो

لَكُمْ مِنَ النِّسَاءِ مِثْلِي وَثَلْثَ وَرُبْعَ فَإِنْ خِفْتُمْ أَلَّا تَعْدِلُوا

औरतोंसे, दो-दो , तीन-तीन, चार-चार. फिर अगर तुम उरे कि बराबरका बरताव न कर सकोगे,

فَوَاحِدَةً أَوْ مَا مَلَكَتْ أَيْمَانُكُمْ ذَٰلِكَ أَدْنَىٰ أَلَّا تَعُولُوا ۝۳ وَ

तो अेक भीवी करो, या तुम्हारी मभ्युका लौंडियां. यह तरीका ईस उम्मीदको करीब करनेवाला हें, कि तुम ज़्यादाती न कर सकोगे (३) और

أَتُوا النِّسَاءَ صَدُقَاتِهِنَّ نِحْلَةً ۚ فَإِنْ طِبَّنَ لَكُمْ عَنْ شَيْءٍ

दे डालो औरतोंको उनका सारा महदर, भुश भुश. हां अगर वोड भुशदिलीसे दे हें कुश

مِّنْهُ نَفْسًا فَكَلُوهُ هَنِيئًا مَّرِيًّا ﴿۴﴾ وَلَا تُوْتُوا السُّفَهَاءَ اَمْوَالَكُمُ

मडरसे, तो उसको पाओ, ज़र्रल दुरुस्त (४) और न हे डलओ डेवकूडूँको अपनू डरे नलगरानी

الَّتِي جَعَلَ اللهُ لَكُمْ قِيَمًا وَارْزُقُوهُمْ فِيهَا وَاكْسُوهُمْ

मलको, जिसको बना दिया अल्लूडने तुमडारे लिये मआश, और देते रओ उनको उस डैसे, और पडनाने रओ उनको,

وَقُولُوا لَهُمْ قَوْلًا مَّعْرُوفًا ﴿۵﴾ وَابْتَلُوا الْيَتَامَى حَتَّى إِذَا بَلَغُوا

और डोला करो उनसे डुश गवार डोली (५) और ज़यते रओ यतीडूँको, यडं तक डि जड नलकड

النِّكَاحَ فَإِنْ آنَسْتُمْ مِنْهُمْ رُشْدًا فَادْفَعُوا إِلَيْهِمْ اَمْوَالَهُمْ

को पडूँये, तो अगर तुमने मलनूस देडल उनको समजडूँसे, तो हे डलओ उनको उनका मल.

وَلَا تَأْكُلُوها اِسْرَافًا وَّيَدَارًا اَنْ يَّكْبُرُوا وَّمَنْ كَانَ غَنِيًّا

और न डलओ उसको डलजतसे ज़याडल और जल्ली जल्ली, डि डडे डो ज़अँगे. और जू डुड मलडार डो

فَلَيْسَتْ غَفِيًّا وَمَنْ كَانَ فَقِيْرًا فَلْيَأْكُلْ بِالْمَعْرُوفِ ﴿۶﴾ فَاِذَا

तो वोड डया करे. और जू डोडतलज डो, तो वोड डल ललया करे डकडरे मुनलसलड. डरर जड

دَفَعْتُمْ إِلَيْهِمْ اَمْوَالَهُمْ فَاَشْهَدُوا عَلَيْهِمْ ۗ وَكَفَى بِاللّٰهِ

तुम उनको उनका मल वलपस करो, तो गवलड डनल डो उन पर. और अल्लूड डलडू डे

حَسِيْبًا ﴿۷﴾ لِلرِّجَالِ نَصِيْبٌ مِّمَّا تَرَكَ الْوَالِدِيْنَ وَالْاَقْرَبُوْنَ

ललसलड डेनेवलल (६) मडूँडे ललये ललसल डे, जू डोड गअे उनके डलं डलप और करलडतडार.

وَلِلنِّسَاءِ نَصِيْبٌ مِّمَّا تَرَكَ الْوَالِدِيْنَ وَالْاَقْرَبُوْنَ مِمَّا قَلَّ

और औरतूँ के ललये ललसल डे, जू डोड गअे उनके डलं डलप और करलडत डनू, डड डो

مِنْهُ اَوْ كَثُرَ ۗ نَصِيْبًا مَّفْرُوضًا ﴿۸﴾ وَاِذَا حَضَرَ الْقِسْمَةَ اُولُو

या ज़याडल. मुकरर ललसल (७) और अगर डूडूड डूँ डलंटेनेके वकू

الْقُرْبٰى وَالْيَتَامٰى وَالْمَسْكِيْنَ فَاَرْزُقُوهُمْ مِنْهُ وَقُولُوا لَهُمْ

अजील डूग, और यतीड और डलस्कीन डूग, तो हे दिया करो कुडू उनूँ उससे, और डोडूँ उनसे

قَوْلًا مَّعْرُوفًا ﴿۹﴾ وَلِيَحْشَ الَّذِيْنَ لَو تَرَكُوْا مِنْ خَلْفِهِمْ ذُرِّيَّتَهُ

अरडू डोली (८) और डरूँ जू अगर डोड ज़अँ अपनू डल'ड डडजूर औरलड,

ضِعْفًا خَافُوا عَلَيْهِمْ فَلْيَتَّقُوا اللَّهَ وَلْيَقُولُوا قَوْلًا سَدِيدًا ①

तो उन पर उरें, तो वोह उरें अल्लाहकी और भोवें ठीक बोली (८)

إِنَّ الَّذِينَ يَأْكُلُونَ أَمْوَالَ الْيَتَامَىٰ ظُلْمًا إِنَّمَا يَأْكُلُونَ

भे-शक जो लोग भाअें यतीमोंका माल नाहक, वोह भाअें

۱۴

فِي بُطُونِهِمْ نَارًا ۖ وَسَيَصْلَوْنَ سَعِيرًا ② يُوصِيكُمُ اللَّهُ فِي

अपने पेटमें निरी आग. और जलद पहुँचेंगे जहन्नम (१०) हुकम देता है तुमको अल्लाह

أَوْلَادِكُمْ لِلَّذِ كَرِمَتْلُ حَظِّ الْأُنثِيَيْنِ ۖ فَإِن كُن نِسَاءً

तुम्हारी औलाहके बारेमें, कि भेटेके लिये हक दो भेटियोंके हिस्सेके बराबर है. फिर अगर सिर्फ भेटियां हों,

فَوْقِ اثْنَتَيْنِ فَلَهُن ثُلُثًا مَّا تَرَكَ وَإِن كَانَتْ وَاحِدَةً

दोसे जियादा, तो उनके लिये दो तिहाई हें तरकेका, और अगर अेक हो,

فَلَهَا النِّصْفُ ۖ وَلَا يُوِيَهُ لِكُلِّ وَاحِدٍ مِّنْهُمَا السُّدُسُ مِمَّا

तो उसके लिये आधा है. और उसके मां भापके लिये, हर अेकके लिये छटा हिस्सा

تَرَكَ إِن كَانَ لَهُ وَلَدٌ ۚ فَإِن لَّمْ يَكُن لَهُ وَلَدٌ وَوَرِثَهُ أَبَوَاهُ

तरकेका, अगर कोरि उसकी औलाह हो. और अगर उसकी औलाह न हो, और वारिष हों मां भाप,

فَلِأُمَّه الثُّلُثُ ۚ فَإِن كَانَ لَهُ إِخْوَةٌ فَلِأُمَّه السُّدُسُ مِمَّا

तो उसकी मांका तिहाई हिस्सा है. और अगर उसके भाई भइनें हों, तो उसकी मांका छटा हिस्सा है,

بَعْدَ وَصِيَّةٍ يُوصِي بِهَا أَوْ دَيْنٍ ۚ وَأَبَاؤُكُمْ وَأَبْنَاؤُكُمْ لَا

वसियत पूरी करनेके बा'द जो वोह करे, और अदाअे करके बा'द. तुम्हारे भाप और तुम्हारे भेटे,

تَدْرُونَ أَيُّهُم أَقْرَبُ لَكُمْ نَفْعًا فَرِيضَةٌ مِّنَ اللَّهِ إِنَّ اللَّهَ

तुम नहीं जानते, कि उनमें कौन तुम्हारे नफअके नजदीक है. हिस्स-अे-मुकरररा अल्लाहकी तरफसे, भे-शक अल्लाह

كَانَ عَلِيمًا حَكِيمًا ③ وَلَكُمْ نِصْفُ مَّا تَرَكَ أَزْوَاجُكُمْ إِن

ईल्मवाला हिकमतवाला है (११) और तुम्हारे लिये आधा है, जो तरका छोडा तुम्हारी भीबियोंने, अगर

لَّمْ يَكُن لَّهُنَّ وَلَدٌ ۚ فَإِن كَانَ لهنَّ وَلَدٌ فَلِكُمْ الرُّبْعُ مِمَّا

उहाके औलाह नहीं. और अगर औलाह है, तो तुम्हारा हिस्सा चौथाई है, जो

تَرَكْنَ مِنْ بَعْدِ وَصِيَّةٍ يُوصِيَنَّ بِهَا أَوْ دِينَ ط وَلَهُنَّ الرِّبْعُ

उनका तरका हो वसियत पूरी करनेके बा'द जो वोह वसियत कर जाअे और अदाअे कर्जेके बा'द. और भीभियोंका हिस्सा चौथाई

مِمَّا تَرَكَتُمْ إِنْ لَمْ يَكُنْ لَكُمْ وَلَدٌ فَإِنْ كَانَ لَكُمْ وَلَدٌ فَلَهُنَّ

जो तुम लोगोका तरका हो, अगर न हो तुम्हारी औलाद. पस अगर तुम्हारी औलाद हो, तो उनका हिस्सा

النَّسَبُ مِمَّا تَرَكَتُمْ مِنْ بَعْدِ وَصِيَّةٍ تُوصُونَ بِهَا أَوْ دِينَ ط

आठवां है तुम्हारे मत रूका का, बा'द पूरी करने वसियतके, जो तुम वसियत कर जाओ अदाअे कर्जेके बा'द.

وَإِنْ كَانَ رَجُلٌ يُورَثُ كَلَّةً أَوْ امْرَأَةً وَوَلَةً أَخَرًا أَوْ أُخْتًا فَلِكُلِّ

और अगर कोई मोरिष बे मां बापका और ला वलद मर्द हो या औरत, और उसके मां जाया भाई या बहन है, तो उनमें

وَاحِدٍ مِّنْهُمَا السُّدُسُ فَإِنْ كَانُوا أَكْثَرَ مِنْ ذَلِكَ فَهُمْ شُرَكَاءُ

से हर अेकका हिस्सा छटा है. और अगर उससे जियादा हों, तो वोह सब शरीक हें

فِي الثُّلُثِ مِنْ بَعْدِ وَصِيَّةٍ يُوصَى بِهَا أَوْ دِينَ غَيْرِ مُضَارٍّ

अेक तिहाईमें, वसियत पूरी करनेके बा'द जिसकी वसियत की जाअे और अदाअे कर्जेके बा'द, बेजरर,

وَوصِيَّةٍ مِّنَ اللَّهِ وَاللَّهُ عَلِيمٌ حَلِيمٌ ١٢ تِلْكَ حُدُودُ اللَّهِ ط

कानून अल्लाहकी तरफसे. और अल्लाह ठल्मवाला हिस्मवाला है (१२) यह हें अल्लाहकी उद बन्दियां.

وَمَنْ يُطِيعِ اللَّهَ وَرَسُولَهُ يَدْخُلْهُ جَنَّاتٍ تَجْرِي مِنْ تَحْتِهَا

और जो हुकम यलाअे अल्लाह और उसके रसूलका, तो दाभिल करेगा उसको जन्नतोंमें, बेह रही हें जिनके नीचे

الأنهار خالدين فيها ط وذلك الفوز العظيم ١٣ وَمَنْ يَعْصِ

नउरें, उमेशा रउनेवाले उसमें. और यह बुलन्दी बडी कामियाबी है (१३) और जो नाकरमानी करे

اللَّهُ وَرَسُولَهُ وَيَتَعَدَّ حُدُودَهُ يَدْخُلْهُ نَارًا خَالِدًا فِيهَا ط

अल्लाह और उसके रसूलकी, और भठ जाअे उसकी उद बन्दियोंसे, डाल देगा उसको जहन्नममें, उमेशा रउनेवाला उसमें,

وَلَهُ عَذَابٌ مُّهِينٌ ١٤ وَالَّتِي يَأْتِيَنَّ الْفَاحِشَةَ مِنْ نِّسَائِكُمْ

और उसके लिये अजाब है रुस्वा करनेवाला (१४) और जो भठकारी करें तुम्हारी औरतोंसे,

فَاسْتَشْهِدُوا عَلَيْهِنَّ أَرْبَعَةً مِّنْكُمْ فَإِنْ شَهِدُوا

तो उन पर गवाह बना लो चार, अपनोंसे. तो अगर उनहोंने गवाही दी,

فَأَمْسِكُوهُنَّ فِي الْبُيُوتِ حَتَّىٰ يَتَوَفَّهِنَّ الْمَوْتُ أَوْ يَجْعَلَ

तो उनको बन्द कर दो घरोंमें, यहाँ तक कि पूरी मुदत कर दे उनकी मौत, या निकाह दे

اللَّهُ لَهُنَّ سَبِيلًا ۝۱۵ وَالَّذِينَ يَأْتِيَنَّاهُمْ فَادُّوهُنَّ فَإِنْ

अव्लाह उनके लिये राह (१५) और जो तुम मेंसे बढकारी करें, तो दोनोंको सताओ. पस अगर

تَابَا وَأَصْلَحَا فَأَعْرِضُوا عَنْهُمَا ۖ إِنَّ اللَّهَ كَانَ تَوَّابًا رَّحِيمًا ۝۱۶

तौबा करली और ठीक हो गये, तो उनको छोड दो. बे-शक अव्लाह तौबा कबूल इरमानेवाला बान्शनेवाला है (१६)

إِنَّمَا التَّوْبَةُ عَلَى اللَّهِ لِلَّذِينَ يَعْلَمُونَ السُّوءَ بِجَهَالَةٍ ثُمَّ

तौबा कबूल इरमा लेना अव्लाह पर उन्हीके लिये है, जो कर भेडें गुनाह अनजानीमें, फिर

يَتُوبُونَ مِنْ قَرِيبٍ فَأُولَٰئِكَ يَتُوبُ اللَّهُ عَلَيْهِمْ ۖ وَكَانَ

तौबा कर लें जल्दीसे, तो वोह हैं कि तौबा कबूल इरमा ले अव्लाह उनकी. और

اللَّهُ عَلِيمًا حَكِيمًا ۝۱۷ وَلَيْسَتِ التَّوْبَةُ لِلَّذِينَ يَعْلَمُونَ السَّيِّئَاتِ

अव्लाह है एल्मवाला डिक्मतवाला (१७) और तौबा उनके लिये नहीं है, जो बुराईयां करते रहें.

حَتَّىٰ إِذَا حَضَرَ أَحَدَهُمُ الْمَوْتُ قَالَ إِنِّي تُبْتُ وَلَا

यहाँ तक कि जब आ गछ किसी को मौत, तो लगा केडने, कि मैं ने तो अब बे-शक तौबा कर ली. और न

الَّذِينَ يَمُوتُونَ وَهُمْ كُفَّارٌ ۖ أُولَٰئِكَ أَعْتَدْنَا لَهُمْ عَذَابًا

उनके लिये जो मरें काफिर. जिनके लिये हमने तैयार कर रभा है अजाब

أَلِيمًا ۝۱۸ يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا لَا يَحِلُّ لَكُمْ أَنْ تَرْتُوا النِّسَاءَ

दुभ देने वाला (१८) ऐ वोह जो एमान ला चुके, नहीं उलाव है तुम्हारे लिये कि वारिष बन जाओ औरतोंके

كُرْهًا ۖ وَلَا تَعْضَلُوهُنَّ لِتَذْهَبُوا بِبَعْضِ مَا آتَيْتُمُوهُنَّ إِلَّا

जबरदस्ती और न रोको उनको इस निधतसे कि कुछ ले लो, जो उनको महर दे डाला था, मगर

أَنْ يَأْتِيَنَّ بِفَاحِشَةٍ مُّبِينَةٍ ۖ وَعَاشِرُوهُنَّ بِالْمَعْرُوفِ ۖ فَإِنْ

उनकी भुली बढकारी. और उनसे भरताव अच्छा रभो. फिर अगर

كُرْهَتْهُنَّ فَعَلَىٰ أَنْ تَكْرَهُوا شَيْئًا وَيَجْعَلَ اللَّهُ فِيهِ

बुरा जना तुमने उनको, तो करीब है कि तुम नापसन्द करो कुछ, और कर दे अव्लाह उसमें

خَيْرًا كَثِيرًا ۱۹ وَإِنْ أَرَدْتُمْ اسْتِبْدَالَ زَوْجٍ مَّكَانَ زَوْجٍ وَ

بडी ભલાઈ (૧૯) ઓર અગર ઈરાદા કર લિયા તુમને દૂસરી બીવી લાનેકા, બજાએ પહલીકે, ઓર

أَتَيْتُمْ أَحَدَهُنَّ قِنطَارًا فَلَا تَأْخُذُوا مِنْهُ شَيْئًا ۲۰ أَتَأْخُذُونَ

દે ડાલા તુમને ઉન મેંસે કિસીકો બહોત જ્યાદા મહર, તો ન લો ઉસસે કુછ. ક્યા ઉસકો લોગે

بُهْتَانًا وَإِثْمًا مُّبِينًا ۲۰ وَكَيْفَ تَأْخُذُونَ ۲۰ وَقَدْ أَقْضَى

બોહતાન બાંધ કર ઓર ખુલે ગુનાહસે (૨૦) ઓર તુમ કેસે લોગે ઉસે, હાલાંકિ તુમ એક દૂસરેસે

بَعْضَكُمْ إِلَى بَعْضٍ وَأَخَذَنْ مِنْكُمْ مِيثَاقًا غَلِيظًا ۲۱ وَلَا

બે-પદા હો ચુકે, ઓર વોહ લે ચુકી હેં તુમસે ગાઢા અહદ (૨૧) ઓર મત

تَنْكِحُوا مَا نَكَحَ آبَاؤُكُمْ مِنَ النِّسَاءِ إِلَّا مَا قَدْ سَلَفَ ۲۱ إِنَّهُ

નિકાહ કરો ઉન ઓરતોંસે, જિનસે નિકાહ કર ચુકે તુમહારે બાપ, બજુઝ ઉસકે જો પહલે ગુઝર ગયા. બેશક યહ

كَانَ فَاِحِشَةً وَمَقْتًا ۲۱ وَسَاءَ سَبِيلًا ۲۱ حُرِّمَتْ عَلَيْكُمْ أُمَّهَاتُكُمْ

બે-શર્મા ઓર ગુસ્સા દિલાનેવાલા કામ, ઓર બુરી રાહ હેં (૨૨) હરામ કર દી ગઈ તુમ પર તુમહારી માંઝે

وَبَنَاتُكُمْ وَأَخْوَالُكُمْ وَعَمَّاتُكُمْ وَخَالَاتُكُمْ وَبَنَاتُ الْأَخِ وَبَنَاتُ

ઓર તુમહારી બેટિયાં ઓર તુમહારી બહનેં ઓર તુમહારી ફૂકિયાં ઓર તુમહારી ખાલાઝે ઓર ભતીજિયાં ઓર ભાંજિયાં,

الْأَخْتِ وَأُمَّهَاتُكُمُ الَّتِي أَرْضَعْتُمْ وَأَخْوَالُكُمْ مِنَ الرِّضَاعَةِ

ઓર વોહ માઝે જિન્હોંને દૂધ પિલાયા તુમકો, ઓર તુમહારી બહનેં દૂધ શરીકી,

وَأُمَّهَاتُ نِسَائِكُمْ وَرَبَائِبُكُمُ الَّتِي فِي حُجُورِكُمْ مِّنْ نِّسَائِكُمُ الَّتِي

ઓર તુમહારી સાસ, ઓર તુમહારી વોહ પાલક, જો તુમહારી ગોદમેં હે ઈન બીબિયોંસે જિનસે

دَخَلْتُمْ بِهِنَّ ۲۱ فَإِنْ لَّمْ تَكُونُوا دَخَلْتُمْ بِهِنَّ فَلَا جُنَاحَ عَلَيْكُمْ

તુમને સોહબતકી હે, પસ અગર તુમને ઉનસે સોહબત નહીં કી હે, તો કિર કોઈ મુઝાયકા નહીં,

وَحَلَائِلُ أَبْنَائِكُمُ الَّذِينَ مِنْ أَصْلَابِكُمْ وَأَنْ تَجْمَعُوا

ઓર તુમહારે સુલ્હી બેટોંકી બીબિયાં, ઓર ઈકઠ્ઠા કરના

بَيْنَ الْأَخْتَيْنِ إِلَّا مَا قَدْ سَلَفَ ۲۱ إِنَّ اللَّهَ كَانَ غَفُورًا رَحِيمًا ۲۲

દો બહનોંકો, મગર જો પહલે ગુઝર ગયા. બે-શક અલલાહ બખ્શનેવાલા રહમતવાલા હે (૨૩)